**अभ्यास प्रश्न पत्र-1**

**समाजशास्त्र (039)**

**2020-21**

समय: 3 घंटे
अधिकत्तम अंक: 80

सामान्य निर्देश :

1.प्रश्न को चार खंडों में विभाजित किया गया है।

2.कुल 35 प्रश्न दिए गए है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

3.खंड- क में प्रश्न संख्या 1-16 है । ये वस्तुनिष्ठ प्रश्न है।

4.खंड- ख में प्रश्न संख्या 17-25 है । ये अति लघुत्तरीय प्रश्न है।जिनके लिए 2 अंक निर्धारित है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकत्तम 30 शब्दों में दीजिए।

5.खंड ग में प्रश्न संख्या 26-32 है । ये लघुत्तरीय प्रश्न है।जिनके लिए 4 अंक निर्धारित है।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकत्तम 80 शब्दों में दीजिए। प्रश्न संख्या 26-27 केस पर आधारित प्रश्न है जिनमें से प्रत्येक को 1 अंक के 4 भागों के साथ रखा गया है जिससे कुल 4 अंक के प्रश्न बनते है।

6.खंड घ में प्रश्न संख्या 33-35 है। यह दीर्घ उत्तरीय प्रश्न है जिनमें से प्रत्येक में 6 अंक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकत्तम 200 शब्दों में दीजिए। दिए गए पैसेज की सहायता से प्रश्न संख्या 35 का उत्तर दीजिए।

## खण्ड [क]

1) डेमोस ग्राफी +न शब्दों का अर्थ है1

A) लोगों का वर्णन  B ) रहने का वर्णन

C. जान का वर्णन  D) खाने का वर्णन

2) प्रबल जाति की अवधारणा किस समाजशास्त्री ने दी है? 1

a) एमएन श्रीनिवास

b) राधाकृष्णन

c) जीएस घुर्ये

d) राधा कमल मुखर्जी

3 सामुदायिक पहचान --------पर आधारित है | 1

4. ब्रिटिश उपनिवेशवाद किस पर आधारित थी? 1

a) समाजवाद

b) पूंजीवाद्

c) पूंजीवाद और समाजवाद

d)पूंजीवाद और मानवतावाद

5. भारत में जनसंख्या नीति की घोषणा कब की गई? 1

a)1952

b) 1953

c)1954

d) 1955

6. सती प्रथा का विरोध किसने किया? 1

a) आर्य समाज

b) ब्रह्म समाज

c) जैन समाज

d) आर्य समाज और ब्रह्म समाज

7. ग्रामीण समाज की जीविका का मुख्य स्रोत क्या है? 1

a) कृषि के साथ पशुपालन

b) कृषि और उद्योग

c) कृषि

d) कुटीर उद्योग

8. विश्व की जनसंख्या में भारत का स्थान ------है |    1

9. खासी समाज में पुरुषों की प्रधानता रहती है |कथन सही करें |    1

10. केरल के ----- भी ------ की इच्छा रखते हैं |    1

अथवा

10. जाति का आधार -------------- है

11. किस क्षेत्र को समय की चाकरी कहते हैं?    1

a) आईटी

b) कृषि

c) उद्योग

d) व्यापार

12. अल्पसंख्यकों से संबंधित कौन से अनुच्छेद हैं?    1

a) 29 और 30

b) 30 और 31

c)31 और 32

d) 32 और 33

अथवा

12. सामाजिक असमानता एवं बहिष्कार के लिए हम दोषी ठहराते हैं

1.इनमें योग्यता नहीं होती

2. स्थिति सुधारने के लिए ये परिश्रम नहीं करते

3. वे बुद्धिमान नहीं हैं

4. उपरोक्त सभी

13. पश्चिमीकरण ने भारत में पीढ़ी संघर्ष को बढ़ावा दिया है |सही या गलत 1

अथवा

13. निर्योग्यता ग्रस्त व्यक्ति समान अवसर अधिकार का संरक्षण और पूर्ण सहभागिता अधिनियम 1995 में पास हुआ|सही या गलत 1

14. 15 अगस्त 2005 के भाषण में जापान के प्रधानमंत्री ----------------- ने युद्ध के समय पूर्वी एशियाईदेशों से माफ़ी मांगी| 1

15. लोग काम किस तरह से पाते हैं? 1

a) रोजगार कार्यालय द्वारा

b) विज्ञापन द्वारा

c) ठेकेदार द्वारा

d) उपर्युक्त सभी

16.कभी-कभी लोग शहरी जीवन को कुछ सामाजिक कारणों से भी पसंद करते हैं (सही /गलत) 1

## खण्ड [ख]

17 सामाजिक जनसांख्यिकी क्या है? 2

18.मैनेजर का मुख्य काम क्या होता है? 2

19. जाति की दो विशेषताएं लिखें | 2

अथवा

जनजातियों का कौन सी अर्जित विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण किया गया?

20 सूचना के अधिकार अधिनियम से क्या समझते हैं? 2

21 हरित क्रांति के क्या सामाजिक परिणाम हुए? 2

22. संस्कृतिकरण की दो आलोचना लिखें? 2

अथवा

विघटनकारी ताकतें कौन सी हैं

23." जनजातीय पहचान को सुरक्षित रखने का आग्रह दिनों दिन बढ़ता जा रहा है |"इस कथन से क्या समझते हैं? 2

24. मजदूरों का संचार क्यों होता है? 2

25. सांप्रदायिकता को कैसे रोका जा सकता है? 2

अथवा

कांग्रेस द्वारा स्त्रियों को समानता का अधिकार देने की घोषणा किस अधिवेशन में किस सन में की गयी थी?

## खण्ड [ग]

26 [a] नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए 4

'जनसांख्यिकीय लाभांश' जनसंख्या में काम न करने वाले पराश्रित लोगों की तुलना में कार्यशील यानी कमाने वाले लोगों के अनुपात में वृद्धि के फलस्वरूप प्राप्त होता है। आयु की दृष्टि से, कार्यशील जनसंख्या मोटे तौर पर 15 से 64 वर्ष तक की आयु की होती है। कार्यशील आयु वर्ग स्वयं अपना भरण-पोषण तो करता ही है साथ ही उसे अपने आयु वर्ग से बाहर के आयु वर्ग (यानी बच्चों और वृद्धों) को भी सहारा देना होता है जो स्वयं काम नहीं कर सकते हैं और इसलिए पराश्रित होते हैं। जनसांख्यिकीय संक्रमण आयु संरचना में होने वाले परिवर्तन 'पराश्रितता-अनुपात' को यानी जनसंख्या के अनर्जक (न कमाने वाले) आयु वर्ग और अर्जक यानी कार्यशील आयु वर्ग के बीच के अनुपात को कम कर देते हैं जिससे संवृद्धि होने की संभावना उत्पन्न हो जाती है।

[A] जनसांख्यिकी लाभांश क्या है 1

1 छोटी आयु के लोगों का काम करना

2 कार्यशील जनसंख्या का काम करने वालों की तुलना में ज्यादा होना

3 बड़ी आयु के लोगों को काम का फायदा मिलना

4 संख्या के आधार पर लाभ मिलना

[B] कार्यशील लोगों की बढ़ती संख्या _____ को दर्शाती है ['रिक्त स्थान भरिये'] 1

[C] गिरता हुआ पराश्रितता अनुपात आर्थिक समृद्धि का स्रोत बन सकता है 1

सही /गलत

[D] पराश्रितता वर्ग में 15 वर्ष से कम और 64वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोग आते हैं 1

सही/ गलत

अथवा

26 B नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए 4

कुछ क्षेत्रों में बाल स्त्री-पुरुष अनुपातों का नीचा स्तर इस तर्क का समर्थन करता प्रतीत होता है। आश्चर्यजनक तथ्य तो यह है कि निम्नतम बाल स्त्री-पुरुष अनुपात भारत के सबसे अधिक समृद्ध क्षेत्रों में पाए जाते हैं। भारत की आर्थिक सर्वेक्षण 2018-19, इसी तरह पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में भी प्रति व्यक्ति आय बहुत उच्च है लेकिन इन्हीं राज्यों में बाल स्त्री-पुरुष अनुपात बहुत निम्न है (तदर्थ)। इसलिए चयनात्मक गर्भपातों की समस्या गरीबी या अज्ञान अथवा संसाधनों के अभाव के कारण उत्पन्न नहीं हुई है।

[A] किस राज्य में स्त्री पुरुष अनुपात सबसे कम है 1

1 हरियाणा

2 गोवा

3 पंजाब

4 बिहार

[B] किस राज्य में प्रति व्यक्ति आय उच्च है? 1

1 मध्य प्रदेश

2 महाराष्ट्र

3 उत्तर प्रदेश

4 बिहार

[C] सबसे अधिक समृद्ध शाली क्षेत्रों में ही स्त्री पुरुष अनुपात सबसे नीचा है 1

सही / गलत

[D] अन्य प्रदेशों की तुलना में _________ लिंगानुपात सबसे अधिक है

['रिक्त स्थान भरिये'] 1

27 A नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए 4

जातियाँ एक दूसरे से सिर्फ़ कर्मकांड की दृष्टि से ही असमान नहीं हैं; उनसे यह भी अपेक्षित है कि वे एक-दूसरे की सहयोगी होंगी एवं उनमें आपस में प्रतिस्पर्धा नहीं होगी। दूसरे शब्दों में, प्रत्येक जाति का व्यवस्था में अपना स्थान तय है और वो स्थान किसी भी अन्य जाति को नहीं दिया जा सकता। चूँकि, जाति व्यवसाय से भी जुड़ी हुई है, अतः व्यवस्था श्रम के सामाजिक विभाजन के अनुरूप कार्य करती है, परंतु सैद्धांतिक तौर पर यह किसी भी प्रकार की परिवर्तनशीलता की अनुमति नहीं देती है।

[A] जाति की कौन सी विशेषता नहीं है 1

1 जन्म से निर्धारित

2 व्यवसाय से जुड़ी होती है

3 विवाह के कठोर नियम

4 अपनी मर्जी से दूसरी जाति में जाने की स्वतंत्रता

[B] पारंपरिक तौर पर जातियां व्यवसाय से जुड़ी होती थी 1

सही / गलत

[C] जाति कभी ______ का विषय नहीं होती ['रिक्त स्थान भरिये'] 1

[D] वाक्य सही कीजिए 1

सैद्धांतिक तौर पर किसी प्रकार की परिवर्तनशीलता कि अनुमति देती हैं

अथवा

27 B नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए 4

जनजातीय लोगों की घनी आबादी वाले अनेक क्षेत्रों और राज्यों को विकास के दबाव के कारण गैर–जनजातीय लोगों के भारी संख्या में अप्रवास (आकर बसने) की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है। इससे जनजातीय समुदायों के छिन्न–भिन्न होने और दूसरी संस्कृतियों के हावी हो जाने का खतरा पैदा हो गया है। उदाहरण के लिए, झारखंड के औद्योगिक इलाकों में वहाँ की जनसंख्या में जनजातीय अनुपात कम हो गया है। लेकिन सबसे अधिक नाटकीय स्थिति संभवत: पूर्वोत्तर क्षेत्र में उत्पन्न हुई है। वहाँ त्रिपुरा जैसे राज्य की जनसंख्या में जनजातीय लोगों का अनुपात एक ही दशक में घटकर आधा रह गया, जिसके परिणामस्वरूप वे अल्पसंख्यक बन गए। अरुणाचल प्रदेश में भी ऐसा ही दबाव महसूस किया जा रहा है।

[A] जनजातियों को कौन सी मुख्य समस्या का सामना करना पड़ रहा था 1

1गैर जनजातियों का भारी संख्या में अप्रवास

2नौकरी की समस्या

3भोजन की समस्या

4शहरों में जाकर बसने की समस्या

[B] किस राज्य की जनजातीय जनसंख्या धर्म परिवर्तन के द्वारा इसाई बनकर अल्पसंख्यक हो गई है 1

1 उड़ीसा

2 मिजोरम

3 त्रिपुरा

4 नागालैंड

[C] जनजातीय विकास के नाम पर जनजातीय समाजों से उनकी जमीन और उनके वन छीन लिए गए हैं सही / गलत

1

[D] वन क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर उजड़ना जनजाति समुदायों की _______ पर गहरा प्रभाव है ['रिक्त स्थान भरिये'] 1

28 स्वतंत्रता के पश्चात आदिवासी संघर्ष के प्रमुख मुद्दे क्या थे 4

अथवा

सामाजिक अपवर्जन का क्या अर्थ है ? यह अनैच्छिक क्यों है ?

29 अल्पसंख्यक समूह किसे कहते हैं अल्पसंख्यकों को राज्य से संरक्षण की आवश्यकता क्यों है 4

30 उपनिवेशवाद का हमारे जीवन पर किस प्रकार प्रभाव पड़ा स्पष्ट कीजिए 4

31 स्वतंत्र भारत में भूमि सुधार के परिणाम बताइए 4

32 वह क्या मुद्दे थे जिनके विरुद्ध झारखंड के नेता संघर्ष कर रहे थे? 4

## खंड [घ]

33 आप पूर्वाग्रह और अन्य किस्म की राय अथवा विश्वास के बीच भेद कैसे करेंगे? 6

अथवा

33 विश्व भर में 'असमर्थता' के सामान्य लक्षण क्या है?

34 ठेकेदारी प्रथा के अंतर्गत काम के लिए भर्ती किस प्रकार होती है? 6

35. नीचे दिए गए अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए 6

सामाजिक आंदोलन प्राय: किसी जनहित के मामले में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से उत्पन्न होते हैं, जैसे कि जनजातीय लोगों के लिए जंगल के उपयोग का अधिकार अथवा विस्थापित लोगों के पुनर्वास तथा क्षतिपूर्ति के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए। ऐसे ही अन्य मुद्दों के बारे में सोचिए जिन्हें सामाजिक आंदोलनों ने पूर्व तथा वर्तमान में उठाया हो। जबकि सामाजिक आंदोलन सामाजिक परिवर्तन लाना चाहते हैं, कभी-कभी यथापूर्व स्थिति बनाए रखने के लिए प्रतिरोधी आंदोलन जन्म लेते हैं।

1 प्रतिरोध आंदोलन किसे कहते हैं? 2

2 सामाजिक परिवर्तन तथा सामाजिक आंदोलन के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए 4